

नशामुक्त अभियान की कार्ययोजना लॉन्च करने वाला पहला राज्य बना हरियाणा

चर्चा में क्यों?

26 जून, 2022 को नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दविस के अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने राज्य को नशामुक्त करने के लिये करनाल की मधुबन पुलिस अकादमी स्थिति हर्षवर्धन ऑडीटोरियम में हरियाणा राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में नशामुक्त अभियान की कार्ययोजना को सार्वजनिक कर एक पुस्तिका का वमिचन किया।

परमुख बदि

- मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे में लपित हो रहे युवाओं के स्वास्थयवर्धन और उनके पुनर्वास के लिये ब्यूरो की यह पहल अनूठी साबति होगी। इस प्लान में नशे से ग्रस्त व्यक्त की पहचान करके उसे उचित परामर्श और चकितिसा देकर उसका पुनर्वास किया जाना शामिल है।
- प्लान में 'प्रयास' और 'साथी' नाम से दो ऐप विकसित किये गए हैं, जो प्रतबिंधति दवाइयों पर अंकुश लगाने का काम करेंगे। साथ ही इसमें ट्रेनिंग का वषिय भी जोड़ा गया है।
- उन्होंने बताया कि युवाओं को नशे से दूर रखने और उन्हें रचनात्मक कार्यों, वशिषकर खेलों से जोड़ने के लिये प्रदेश में 1100 खेल नर्सरियाँ बनाई जा रही हैं, इनसे युवाओं में खेलों का रुझान बढ़ेगा और उनमें खेल भावना का सृजन होगा।
- प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिये उक्त एकशन प्लान के तहत स्कूल, कॉलेजों व वशिषवदियालयों में धाकड़ कार्यक्रम की शुरुआत की गई है। धाकड़ का अर्थ है- हम्मित वाला व्यक्ती। इस कार्यक्रम के तहत क्लास के पाँच बच्चों का एक ग्रुप बनाया जाएगा, जो सुस्त, एकाकी रहने वाले व चोरी-छपि नशा करने वाले बच्चों की पहचान करेंगे और उसकी सूचना क्लास टीचर, यानी सीनियर धाकड़ को देंगे। सीनियर धाकड़ सूचना प्राप्त करने के बाद संबंधित प्रसिपिल/हैड मास्टर को रपिर्ट करेंगे, जो नोडल धाकड़ कहलाएगा।
- इस कार्यक्रम के करयानवयन और सुपरवज़िन के लिये राज्य, ज़िला, उपमंडल, क्लस्टर और गाँव/वार्ड स्तर पर मशिन टीमें नशे से ग्रस्त व्यक्ती की काउंसलिंग, उपचार व पुनर्वास के लिये काम करेंगी।